1	2	3	4	5
5.	एंगलआयरन ब्रैकेट विशेषकर गार्ड वायर के लिए	26,300	6,200	–वही–
6.	एंगल आयरन टाइज 3 वायर ब्रैकेट	1,81,000	60,000	–वही–
7.	एंगल आयरन टाइज 4 वायर ब्रैकेट	1,42,000	14,000	–वही–
8.	एंगल आयरन स्टेट्स	63,000	शून्य	–वही–

Fixation of seniority of SC/ST officers in I.T.S. group 'A'

505. SHRI ANAND PRAKASH GAUTAM: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to refer to Unstarred Question 99 given in the Rajya Sabha on the 25th February, 1992 and state the number of SC/ST I.T.S. Group 'A' officers who have represented for the fixation of their seniority so far and since when?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): 3 officers of 1966 Batch and 4 officers of 1967 Batch belonging to SC/ST community have represented for refixation of their seniority alongwith officers recruited in 1963 and 1964 batches respectively.

महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड के कर्मचारियों के लिए आवास

506. **श्री राम सिंह राठवा** : क्या संचार : मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार महानगर टेलीफोन निगम लि० के कर्मचारियों को सम्पदा निदेशालय के साधारण पूल के अंतर्गत आवास प्राप्त करने का पात्र, बनाने का विचार रखती है, क्योंकि महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड के कर्मचारी दूरसंचार विभाग के कर्मचारी हैं और उन पर केन्द्र सरकार के अन्य मंत्रालय के लिए लागू नियम और विनियम लागू होते हैं;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और क्या संचार मंत्रालय ने इस बारे में शहरी विकास मंत्रालय से बात चीत की है; और

(ग) यदि हां, तो उस बातचीत के क्या परिणाम निकले हैं ?

संचार मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी० वी० रंगैयानायडू) : (क) से (ग) जी नहीं । चूंकि महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड का आवास देने का अपना अलग पूल है इसलिए महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड के कर्मचारी सम्पदा निदेशालय के सामान्य पूल से आवास के पात्र नहीं हो सकते ।

इस संबंध, में सम्पदा निदेशालय, शहरी विकास मंत्रालय से विचार-विमर्श किया गया है ।

सरकार द्वारा निर्धारित नीतिगत मार्गदर्शी सिद्धांतों एवं पात्र कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों को सामान्य पूल के आवास देने की भारी कमी को देखते हुए संपदा निदेशालय ने सामान्य पूल से महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड के कर्मचारियों को आवास आवंटन करने में अपनी असमर्थता प्रकट की है ।